विचार बिन्दु

कोई भी भाषा अपने साथ एक संस्कार, एक सोच, एक पहचान और प्रवृत्ति को लेकर चलती है। – भरत प्रसाद

हिन्दी भाषा को लिंक भाषा के रूप में अनिवार्य करने की आवश्यकता

देश सम्राट अशोक के शासन काल में एक बृहत देश बन गया था जिसकी सीमाएं पूर्व में म्यांमार, श्री लंका, अफगानिस्तान, कश्मीर, गिलगित, नेपाल भूटान आदि अनेक राज्य उसका हिस्सा थे। इस बात के प्रमाण अभी भी अनेक देशों में मिलते हैं। भाषा सदैव भिन्न रही है बल्कि प्रति पचास मील पश्चात् बोली बदल जाती है। मध्य भारत में अवध, ब्रज, भोजपुरी, बंगाली, उड़िया, कन्नड, तेलगु, तमिल, मराठी और मलयालम प्रमुख भाषाएँ रहीं हैं इन सबके अतिरिक्त संस्कृत सभी प्रांतों में बोली और लिपिबद्ध कर शास्त्र रचना में मुख्य भूमिका निभाती थी। कालान्तर में अनेक कारणों और बदलती परस्तिथिओं ने इन भाषाओँ का प्राय लोप होता गया.. और सही व्याकरण न बन पाने से बिदेशी आक्रांताओं द्वारा फ़ारसी, अरबी, उर्दू आदि भाषाओं और बोलिओं का प्रादुर्भाव् इतना बढ़ा कि राज काज भी इन्ही भाषाओँ में होंने लगे,..मध्य कालीन भारत में कतिपय कुछ हिंदी साहित्यकारों ने हिंदी (देवनागरी) का सूत्रपात किया और व्याकरण के नियम बना कर सुद्रण भाषा का निर्माण आरम्भ किया। आज हम देख रहे हैं कुछ राज्यों में हिंदी के प्रति दुर्भाव चरम तक बढ़ गया है दक्षिण भारत और बंगाल में सब राज्य अपनी लोकल भाषा को राज्य की भाषा का दर्जा देने की बकालत कर आंदोलन तक कर रहे हैं। उन्हें ज्ञान होना चाहिए कि इतने बड़े और सभी भौगोलिक परिस्तिथिओं के रहते तथा सामजिक परम्पराओं के चलते जब तक एक कोई भाषा लिंक भाषा नही बनेगी राज्यों के आपस में व्यवहार और क्रिया कलापों में सामजस्य और सामाजिक सम्बन्ध नहीं पनप पाएंगे? सभी अपनी अपनी ढपली और राग आलापते रहेंगे। अन्य आम बोलचाल और लिखित सामग्री न होने से विचार विनमय और सम्बाद की कमी खलेगी। समाजों से सामजस्य नही होने से द्वेष, विषमता, क्लेश बढ़कर समाज अनेक समूह में बट जायेगा और यह स्तिथि संभवत: राजनैतिक लोगों को भी मुफीद न लगे?

शिक्षित और जागरूक समाज इस समस्या पर गहन विचार करें, समय निकलने पर फिर पछताते क्या होत 'जब चिड़ियाँ चुग गयी खेत' उदाहरण हमारे सामने हैं। भूटान, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, श्रीलंका, वर्मा, नेपाल, आदि, अभी भारत के संघीय ढांचे से बाहर हैं। बलूचिस्तान और सिंध प्रान्त पाकिस्तान से स्वतंत्र होने के कगार पर हैं। बंगाल,, और बांग्ला देश भी टूटेगा, क्योंकि वहां धर्म आधारित द्वेष चरम पर है। हिन्दू और हिंदीभाषी लोग वहां के एक विशेष धर्म को सुहाते नहीं, इससे वहां इन लोगों को असुरक्षा की भावना बढ़ गयी है। वहीं कट्टरता के बढ़ते प्रभाव से संघर्ष की स्तिथि उत्पन्न हो चुकी है। बंगाल में तो केंद्र को बहुत पहले ही राष्ट्रपति शासन लगा देना चाहिए। ऐसी अनुशासनहीनता ही बड़े रूप में बिघटन का रूप ले लेती है। मैं कोई राजनैतिक आदमी तो हूँ नहीं, संभवत: केंद्र में बैठे नेता अपने कुछ गुना भाग और समीकरण अलग ही रचते हैं।

केंद्रीय सरकार भी अपने स्तर पर समय रहते वांछित कदम उठाकर स्तिथि को बिगड़ने से बचा सकती है। हिंदी भाषा को एक लिंक भाषा के रूप में सभी राज्यों में आवश्यक रूप से अनिवार्य करना चाहिए, तदुपरांत संस्कृत, अंग्रेजी, ब्रज, अवधी, मलयालम, कन्नड आदि अलग से पाठ्यक्रम में छात्र की रूचि के अनुसार समावेश किया जा सकता है। कोई भी कितनी भी भाषाएँ सीख सकता है, भविष्य में ये उसके काम आ सकती हैं।

देश में आग सुलग रही है लोग सभी तरह से असंतुष्ट हैं अभी कोई बोल नहीं रहा है। सरकार कहती है कि जातियां ख़तम हो चुकी हैं तो फिर, एस सी, एसटी, ओ बी सी, बेकवर्ड, आदि क्या जातियाँ नहीं हैं? सरकार जनता को क्या विवेकहीन समझती है? आम चुनाव के समय जातीय समीकरण और संख्या प्रत्याशी चुनने से लेकर मंत्री बनने तक प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से जाति ही जहन में रह कर मुख्य भूमिका निभाती है। देश के सभी नेता अभी स्वप्ननिल अवस्था में है उन्हें खुद का कार्यकाल ठीक प्रकार बीत जाने का बोध रहता है अन्य घटनाओं के होते हुए वे अपना पांच साल का कार्यकाल ढो रहे होते हैं।

ऐसा कभी नहीं रहा कि देश पूर्व में विखंडित न हुए हों। सोवियत संघ का उदाहरण अभी घटित ही हुआ है शायद सत्तर वर्षों तक ही संघीय बना रहा फिर गोर्बाचोव के आने के बाद सब खंडित होकर स्वतंत्र देश बन गए, उससे पूर्व भी ये सभी अलग ही थे। इसलिए मेरी अंतरात्मा विभिन्न परिस्तिथिओं से संकेत दे रही हैं कि बिघटन प्रकृति प्रदत्त है, उसके लिए कारण भी अपने आप बनते हैं हालांकि जनता का कारणों को बनाने में योगदान होता है। चरम सीमा होने पर जनता उपद्रव पर उतर आती है। फिर स्वतंत्र होने की लालसा बलवती होकर बिघटन को अंजाम देती है। देश में वैसे तो प्रधान मंत्री एक योग्य व्यक्ति हैं और विदेश नीतिओं में अभी तक सफल भी रहे हैं., कुछ ताकतों को यह स्वीकार नहीं होता चाहे वे देश के अंदर की हों अथवा बाहर की हों। आरम्भ अंदर से ही निर्मित होता है इसके लिए हवा-पानी भी अंदर ही मिलता है फिर कुछ विदेशी ताकतें बिभिन्न प्रकार से संलग्न होकर उस सुलगती आग में घी अथवा अन्य ज्वलनशील पदार्थ डाल कर असंतोष को भड़का देते हैं। जिसके लिए उन्हें विदेशों से ही आर्थिक संबल मिलता रहता है।

खैर, ऐसी बाते सभी राजनीतिक लोग जानते रहते हैं लेकिन चुप रहते हैं। शायद पार्टी भय या अन्य कोई लालसा उनेह चुप रहने के लये आत्मीय बल देता रहता है।

यह सब लिखने के लिए मेरे पास कोई भी प्रमाण नहीं हैं केवल घटित हो रही दशाएं और मीडिया पर उपलब्ध सामग्री के आधार पर मेरी ये सोच बनी और मजबूत हुई है हो सकता है मेरी सोच और धरना भविष्य में गलत और आधारहीन सावित हो। फिर भी राजनैतिक और सामाजिक स्तिथिओं को देखते हुए, संघीय ढांचे से केरल, महाराष्ट्र, मिजोरम, तेलंगना, पंजाब, कश्मीर, बंगाल आदि कुछ राज्यों के स्वत: स्वतंत्र घोषित होने की प्रबल सम्भावना बनती दिखती है। मैं कोई राजनितिक आदमी नहीं और न ही किसी पार्टी और नेता से मेरा नाता। विचारधारा जरूर मेरी सनातनी पुश्तैनी रही है और उसी को आज भी पोषित कर रहा हूँ। लेख के माध्यम से मैं पाठकों को और राजनीत में रूचि रखने वालों को उपरोक्त विचार जरूर दे रहा हूँ ताकि वे स्वंग और सामूहिक और सामाजिक स्तर पर उपज रहे फफूंदी की तरह जयचंदो को शीघ्रति शीघ्र निपटा लें। केंद्रीय सरकार भी अपने स्तर पर समय रहते वांछित कदम उठाकर स्तिथि को बिगड़ने से बचा सकती है। हिंदी भाषा को एक लिंक भाषा के रूप में सभी राज्यों में आवश्यक रूप से अनिवार्य करना चाहिए, तदुपरांत संस्कृत, अंग्रेजी, ब्रज, अवधी, मलयालम, कन्नड आदि अलग से पाठ्यक्रम में छात्र की रूचि के अनुसार समावेश किया जा सकता है। कोई भी कितनी भी भाषाएँ सीख सकता है, भविष्य में ये उसके काम आ सकती हैं।

–अतिथि सम्पादक,
प्रो. वीर बहादुर सिंह,
पूर्व कुलपति एवं डेरी विज्ञ, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर, राज.

राशिफल शनिवार 5 जुलाई, 2025

पंडित अनिल शर्मा

आषाढ़ मास, शुक्ल पक्ष, दशमी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2082, स्वाती नक्षत्र सायं 7:51 तक, सिद्ध योग सायं 8:36 तक, तैतिल करण प्रात: 5:45 तक, चन्द्रमा आज तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-तुला, मंगल-सिंह, बुध-कर्क, गुरू-मिथुन, शुक्र-वृष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से रात्रि 7:51 तक है। रवियोग रात्रि 7:51 तक है। आज आशा दशमी का व्रत है। आज गुप्त नवरात्रौत्थापन, मन्वादि, गिरिजा दशमी पूजा है। आज कत्ल की रात (मु.) है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:24 से 9:06 तक, चर 12:31 से 2:13 तक, लाभ-अमृत 2:13 से 5:38 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 5:42, सूर्यास्त 7:20

मेष

परिवार में प्रसन्नता-हर्षोल्लास का माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

सिंह

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

वृष

स्वास्थ्य में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा।

कन्या

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक योजना का क्रियान्वयन होगा।

मकर

व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

मिथुन

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है।

तुला

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कुंभ

नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क

परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृश्चिक

आज मन में असंतोष बना रहेगा। अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

मीन

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सरकार के निर्णयों से ''सहकार से समृद्धि'' के पथ पर आगे बढ़ रहा राजस्थान

5 जुलाई, अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस विशेष.....

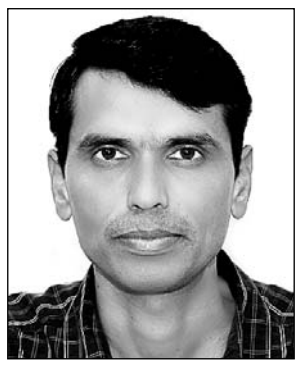

दिनेश शर्मा

सहकारिता हमारे सामाजिक जीवन और अर्थव्यवस्था का अभिन्न अंग रही है। प्राचीन भारतीय लोकाचार में भी सहकारिता के बीज देखने को मिलते हैं। ऋग्वेद जैसे प्राचीन शास्त्र में भी संगठन और सहकारिता पर जोर दिया गया है। वसुधैव कुटुम्बकम से बड़ा सहकारिता मंत्र और क्या हो सकता है, जिसमें कुछ लाख या करोड़ लोगों के बीच नहीं, मानव मात्र के बीच नहीं, सम्पूर्ण प्रकृति जिसमें मूर्त और अमूर्त, चल और अचल, सभी के बीच, अनंत, शाश्वत और सनातन पारस्परिक निर्भरता और सह अस्तित्व की संकल्पना है। समय के साथ सहकारी आन्दोलन मजबूत हुआ और इसने सामाजिक परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विशेष रूप से किसानों, श्रमिकों, शिल्पकारों, लघु व्यवसाईयों एवं विविध स्तरों पर उत्पादक गतिविधियों में संलग्न जनसाधारण को बिचौलियों के शोषण से मुक्त कराने में सहकारिता का अहम योगदान है।

सहकारिता के महत्व को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा वर्ष 2025 को अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष घोषित किया गया है। पूरा विश्व 'सहकारिता से एक बेहतर दुनिया का निर्माण होता है' थीम पर अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष मना रहा है। राजस्थान में भी सहकारी आन्दोलन का लगभग 125 वर्षों का गौरवशाली इतिहास है। राजस्थान में वर्ष 1904 में अजमेर से सहकारी आन्दोलन की शुरूआत हुई और वर्तमान में इसने विशाल वट वृक्ष का रूप ले लिया है। वर्तमान में राज्य में 41 हजार से अधिक पंजीकृत सहकारी समितियों के 1 करोड़ 10 लाख से अधिक सदस्य हैं।

सहकारिता के महत्व को इंगित करते हुए 6 जुलाई, 2021 को केन्द्र सरकार ने सहकारिता मंत्रालय का गठन कर अमित शाह को इसका जिम्मा सौंपा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना पर मंत्रालय द्वारा 'सहकार से समृद्धि' योजना क्रियान्वित की जा रही है, जिसके अंतर्गत 60 से अधिक पहलों के माध्यम से सहकारी सेक्टर को सशक्त बनाया जा रहा है। ये पहलें विशेष रूप से सहकारी समितियों, किसानों, कारीगरों, पशुपालकों और छोटे उद्यिमयों को सशक्त बनाने की दिशा में केन्द्रित हैं। राज्य में योजना के सफल एवं प्रभावी क्रियान्वयन के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में राज्य शीर्ष समिति गठित है। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य सहकारी विकास समिति एवं जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला सहकारी विकास समिति गठित है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व एवं सहकारिता मंत्री गौतम कुमार दक के निर्देशन में राजस्थान भी 'सहकार से समृद्धि' के पथ पर निरन्तर अग्रसर हो रहा है। 'सहकार से समृद्धि' की विभिन्न पहलों को क्रियान्वित करने एवं सहकारी क्षेत्र में नवाचार करने में राज्य अग्रिम पंक्ति में है।

पैक्स कम्प्यूटराइजेशन के अंतर्गत अब तक 5,300 से अधिक पैक्स को गो-लाइव किया जा चुका है। प्रत्येक पंचायत में बहुउद्देशीय पैक्स/ डेयरी/ मत्स्य सहकारी समितियों के गठन की दिशा में कार्य करते हुए अब तक लगभग 2,700 नई सहकारी समितियां गठित की जा चुकी हैं। विश्व की सबसे बड़ी विकेन्द्रीकृत अन्न भण्डारण योजना के अंतर्गत राज्य में 500 मीट्रिक टन के 135 गोदाम स्वीकृत किये जा चुके हैं, जिनमें से 97 गोदामों का निर्माण आगामी जुलाई माह के अंत तक पूरा करने का लक्ष्य है। राज्य की 3,800 से अधिक पैक्स प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केन्द्र एवं लगभग 5,300 पैक्स कॉमन सर्विस सेंटर के रूप में कार्य कर रही हैं। सहकारी क्षेत्र में प्रदेश की पहली बाइक ऑन रेंट सेवा 'को-ऑप राइड' का विगत दिनों उदयपुर से शुभारम्भ हुआ है।

राज्य सरकार सहकारी क्षेत्र में विभिन्न योजनाओं के माध्यम से किसानों के मान-सम्मान और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने पर विशेष रूप से फोकस कर रही है। मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि की राशि को 2,000 रुपये से बढ़ाकर 3,000 रुपये कर दिया गया है। पीएम किसान सम्मान निधि योजना के राज्य के पात्र किसानों को अब 9,000 रुपये सालाना मिल रहे हैं। राज्य सरकार इसे चरणबद्ध रूप से 12 हजार रुपये करने के लिए प्रतिबद्ध है। राजस्थान सहकारी गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना के अंतर्गत गोपालक परिवारों को गाय/भैंस के लिए शैड, खेली निर्माण और चारा/बांटा सहित उपकरण खरीदने के लिए 1 लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध करवाया जा रहा है। वर्ष 2025-26 के दौरान 35 लाख से अधिक किसानों को 25 हजार करोड़ रुपये के ब्याज मुक्त अल्पकालीन फसली ऋण वितरित किए जाने का प्रावधान राज्य बजट में किया गया है। इसके ब्याज अनुदान पर 768 करोड़ रुपये व्यय होंगे। इसी प्रकार, सहकारी भूमि विकास बैंकों के अवधिपार ऋणों हेतु 200 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान कर मुख्यमंत्री अवधिपार ब्याज राहत योजना लागू की गई है। इसमें ऋणी सदस्यों को केवल मूल धन की राशि जमा करवाने पर राज्य सरकार द्वारा अवधिपार ब्याज में 100 प्रतिशत की राहत दी जा रही है। राज्य सरकार सहकारी संस्थाओं में पारदर्शिता के लिए भी प्रतिबद्ध है। सहकारी संस्थाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए नवीन को-ऑपरेटिव कोड लागू करने की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

सहकारिता हमारी सामाजिक परम्परा के साथ ही हमारी आवश्यकता भी है। बदलते दौर में यह और अधिक प्रासंगिक होती जा रही है। यह आर्थिक सशक्तीकरण के साथ ही ग्रामीण विकास में योगदान देती है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलती है। सहकारी संस्थाएं स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर उत्पन्न करती हैं, जिससे पलायन रूकता है। सहकारिता के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक स्वतंत्रता एवं नेतृत्व के अवसर प्राप्त हो रहे हैं। इतना ही नहीं, सहकारिता जाति, वर्ग, धर्म और लिंग आदि से ऊपर उठकर सबको साथ लेकर चलती है, जिससे सामाजिक समरसता को बढ़ावा मिलता है। आशा है कि राज्य व केन्द्र सरकार और अन्य स्टेकहोल्डर्स मिलकर अन्तर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष में राज्य में सहकारिता आन्दोलन को नई दिशा देकर विकसित राजस्थान के संकल्प का साकार करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगें।

दिनेश शर्मा, सहायक जनसम्पर्क अधिकारी, सहकारिता विभाग, राजस्थान।

अंत्योदय संबल शिविर में पांच भाइयों का 25 वर्ष से लम्बित भूमि बंटवारा हुआ तो कटुता दूर हुई

हरिओम सिंह गुर्जर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के द्वारा प्रदेशभर में शुरू किये गये पं. दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाड़ा ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर निराकरण के साथ परिवारों में चली आ रही आपसी कटुता को दूर कर भाईचारे का संदेश भी दे रहा है। भरतपुर जिले के बांसीकलां में आयोजित शिविर में ओमप्रकाश और उसके 4 भाइयों का विरासत नामांतरण व आपसी बंटवारे की 25 वर्ष से चली आ रही समस्या का एक दिन में आपसी सहमति से निराकरण हुआ। इससे सभी भाइयों में आपसी मनमुटाव दूर होने के साथ भूमि के कृषि व राजस्व संबंधी अनुदान योजनाओं का लाभ मिलने का रास्ता भी आसान हुआ।

बांसीकलां निवासी पन्नालाल जाट की मृत्यु के बार उनके पांचों बेटों में विरासत भूमि का बंटवारा हो गया लेकिन आपसी सहमति नहीं बन पाने के कारण खाता विभाजन तथा नामांतरण संबंधी समस्या चली आ रही थी। वे इसके लिए 25 साल से एक कार्यालय से दूसरे कार्यालय के चक्कर काट रहे थे लेकिन कोई न कोई नई समस्या आ जाती थी, कभी कोई भाई और कभी कोई भाई उपलब्ध नहीं हो पाता था और काम नहीं हो पाया। किसान ओमप्रकाश और उसके भाई रामगोपाल, भीमसिंह, सोहनलाल व संजय सिंह ने शिविर में उपस्थित होकर माता के नाम चली आ रही विरासत नामांतरण एवं आपसी सहमति से खाता विभाजन संबंधी समस्या से शिविर प्रभारी को अवगत कराया। शिविर प्रभारी ने राजस्व विभाग की टीम को निर्देश देकर प्रकरण को गंभीरता से लेते हुये समस्या का शिविर में ही समाधान करने के निर्देश दिए। ग्रामीणों एवं अधिकारियों की समझाइश से पांचों भाइयों में आपसी सहमति से विरासत भूमि का नामांतरण संभव हो सका। राजस्व टीम द्वारा पांचों भाईयों की माता स्व. श्रीमती सोमोती के नाम चली आ रही भूमि का विरासत नामांतरण भी खोला तथा बहनों के नाम चला आ रहा हिस्से की हक त्याग कार्यवाही भी पूरी करवाई गई।

किसान ओमप्रकाश ने बताया कि उनकी 65 बीघा भूमि पर 25 वर्षो से खाता विभाजन, नामांतरण संबंधी समस्या चली आ रही थी, जिसके समाधान के लिये अनेक बार प्रयास किये गये। कार्यालयों में आवेदन देने के साथ परिवार के मध्य बैठकर समझाइश भी की गई लेकिन आपसी सहमति नहीं बनने के कारण समस्या दूर नहीं हो सकी। शिविर में जैसे ही राजस्व विभाग की टीम द्वारा समस्याओं का निराकरण कर खाता विभाजन के पत्र सौंपे तो पांचों भाईयों की खुशी का ठिकाना न रहा। उन्होंने घर बैठे समस्या निराकरण होने पर शिविर आयोजन के लिये मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा का आभार व्यक्त करते हुये अधिकारियों द्वारा किये गये प्रयास के लिये जिला प्रशासन को धन्यवाद दिया।

राधा के लिये खुशियों की सौगात लेकर आया अन्त्योदय संबल अभियान- भजनलाल स्व. दीनदयाल जी के अन्त्योदय को साकार करने के लिए ही मुख्यमंत्री बने हैं। भरतपुर जिले के सेवर ब्लॉक की ग्राम पंचायत बांसी खुर्द में आयोजित शिविर राधा पुत्री हरद्वारी के लिये खुशियों की सौगात लेकर आया। फार्मर आईडी नहीं बनवा पाने के कारण उसे सरकार की योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा था। फार्मर आईडी मोबाईल लिंकेज के कारण नहीं बन पाई थी। यह समस्या राधा ने जिला कलेक्टर कमर चौधरी को बताई तो उनके निर्देश पर राधा के पुत्र से मोबाईल पर बात कर रजिस्टर्ड मोबाईल नम्बर से ओटीपी प्राप्त किया तथा शिविर में ही फार्मर आईडी पंजीकरण की आईडी का पंजीकरण किया गया।

राधा ने बताया कि फार्मर आईडी बन जाने से उसे प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का पैसा मिलेगा, साथ ही केसीसी लोन, उन्नत बीज, फार्म पौंड, स्प्रिंकलर सहित कृषि एवं राजस्व विभाग की विभिन्न योजनाओं का लाभ मिलेगा। राधा ने इस पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार व्यक्त करते हुये कहा कि वह कम पढ़ी लिखी है लेकिन उसने सुना है कि जिन दीनदयालजी के नाम पर ये कैंप लगा, वे हम जैसे आम लोगों को ही खास लोग बनाकर इस देश का विकास चाहते थे। मुख्यमंत्रीजी ने उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि दी है।

हरिओम सिंह गुर्जर, संयुक्त निदेशक, जिला सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय भरतपुर।

चार महीनों से जारी पानी की किल्लत से लोग परेशान

सूरतगढ़, (निसं)। उपखंड की ग्राम पंचायत भैरोंपुरा सीलवानी और विशेष रूप से अमरपुरा जाटान में पिछले चार महीनों से जारी पानी की किलूत ने ग्रामवासियों का जीना मुहाल कर दिया है। इस समस्या के समाधान के लिए कांग्रेस के किसान नेता अमर सिंह गोदारा, ओमप्रकाश गेदर, कांग्रेस नेता श्रवण सिंगाठिया के नेतृत्व में ग्रामीणों ने जलदाय विभाग के सहायक अभियन्ता कार्यालय पर गुरूवार को प्रदर्शन कर 30 साल पुरानी जर्जर पत्थर की पाइपलाइन को बदलने की मांग की, जो बार-बार टूटने से आपूर्ति बाधित करती है। ठेकेदारों द्वारा मरम्मत में देरी की शिकायत भी दर्ज की गई।

जलदाय विभाग के एईएन को ज्ञापन सौंपते हुए ग्रामवासियों ने कहा कि पुरानी पाइपलाइन को तुरंत नई लाइन से बदला जाए। अमर सिंह गोदारा ने सुझाव दिया कि 5 लाख लीटर की गोल डिग्गी, जिसे ग्रामवासियों ने मिलकर कुछ दिन पहले साफ करवाया है, उसमे पानी भंडारण की व्यवस्था की जाए। इससे 4-5 दिनों तक गांव की जरूरतें पूरी हो सकती हैं। उन्होंने सोलर ट्यूबवेल के लिए बिजली आपूर्ति और नहर से पाइपलाइन के जरिए मीठे पानी की व्यवस्था का प्रस्ताव भी रखा। पुराने ट्यूबवेल का पानी फ्लोराइड युक्त और कड़वा होने से ग्रामवासियों में घुटनों की बीमारियां बढ़ रही हैं।

■ ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर 30 साल पुरानी जर्जर पत्थर की पाइपलाइन को बदलने की मांग की, जो बार-बार टूटने से आपूर्ति बाधित करती है

कई घरों में आज तक जलदाय विभाग की पाइपलाइन नहीं पहुंची, जिसके लिए नई लाइन बिछाने की मांग की गई। जलदाय विभाग के अधिकारी ने गांव में कैंप आयोजित करने का आश्वासन दिया, जहां ग्रामवासी अपनी समस्याएं रख सकेंगे। अधिकारी ने सभी मुद्दों के जल्द समाधान का भरोसा दिलाया। ग्रामवासियों ने कैंप में एकजुट होकर अपनी मांगें रखने का फैसला किया है।

इस मौके पर गांव के जितेंद्र खालिया, मोमनराम गोदारा, मांगीलाल सैन, मूलाराम पंवार, पपूराम मेघवाल, मनीराम मेघवाल, मानसिंह गोदारा, दिलीप नायक और बनवारी नायक सहित दर्जनों ग्रामीण मौजूद रहे।

सूरतगढ़ रेलवे स्टेशन पर चल रहे पुनर्विकास कार्यों में गंभीर खामियां मिली

सूरतगढ़, (निसं)। बीकानेर मंडल के 'ए' श्रेणी के सूरतगढ़ रेलवे स्टेशन पर अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत चल रहे पुनर्विकास कार्यों में गंभीर खामियां सामने आई हैं। बीकानेर डिवीजन के एडीआरएम रुपेश कुमार के निरीक्षण के दौरान रेल विकास संघर्ष समिति ने इन समस्याओं को उनसे मुलाकात करते हुए कार्रवाई की मांग की।

समिति ने बताया कि पहली बरसात में ही स्टेशन की दीवारों में रिसाव, सर्कुलेटिंग एरिया की सड़क का उखड़ना, और चारों प्लेटफार्म पर बने शेड से पानी टपकने जैसी खामियां सामने आईं, जिससे यात्रियों में भारी आक्रोश है। संघर्ष समिति ने इंजीनियरिंग विभाग और स्थानीय अधिकारियों की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया। समिति के संयोजक दर्शन भगत प्रणामी, संजय वेद, सुभाष सोनी, भंवर बारिया, कृष्ण स्वामी, उमेश मुद्गल, खूबचंद नायक, लीलाधर फौजी, धर्मवीर सैनी, श्याम सोमानी, सुरेंद्र कोठारी, गुरु भूपेंद्र, अमरचंद नायक और ललित किशोर शर्मा ने अधिकारियों को चेतावनी दी कि यदि यात्री सुविधाएं जल्द उपलब्ध नहीं करवाई गई तो आम जनता के साथ मिलकर विरोध प्रदर्शन तेज किया जाएगा।

■ बीकानेर मंडल के 'ए' श्रेणी के सूरतगढ़ रेलवे स्टेशन पर अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकास कार्य चल रहा है

समिति ने दोषी अधिकारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की और शनिवार से ही धरना-प्रदर्शन की घोषणा की।

निरीक्षण के दौरान गति शक्ति यूनिट के चीफ प्रोजेक्ट मैनेजर प्रमोद कुमार, सीनियर डीएसटी ललित किशोर, स्टेशन अधीक्षक हरि शंकर त्यागी और ट्रैफिक इंस्पेक्टर सलविंदर सिंह मौजूद थे। रेलवे का दावा है कि स्टेशन पर 83 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है, जिसमें सर्कुलेटिंग एरिया का विस्तार, नई बाउंड्री वॉल और पार्किंग सुविधाएं शामिल हैं। हालांकि, समिति का कहना है कि आधुनिक प्रतीक्षालय, स्वच्छ शौचालय, और दिव्यांगजनों के लिए रैंप जैसी यात्री सुविधाएं नदारद है। समिति ने बताया कि आम जनता में स्टेशन की बदहाल स्थिति को लेकर गुस्सा है। कहा गया कि यात्रियों की सुविधा के लिए त्वरित कदम उठाने की जरूरत है। समिति ने स्पष्ट किया कि जब तक दोषियों पर कार्रवाई नहीं होती, उनका आंदोलन जारी रहेगा।